भारत बनाम पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र में: 2014 से

लेखक - याशी (संपादक)

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र-II (अंतर्राष्ट्रीय संबंध) से संबंधित है।

इंडियन एक्सप्रेस

10 सितम्बर, 2019

"इस आलेख में संयुक्त राष्ट्र महासभा में प्रधानमंत्री मोदी के संबोधन से आगे बढ़ते हुए, जहां ऐसी उम्मीद की जा रही है कि पाकिस्तान के इमरान खान फिर से कश्मीर के मुद्दे को उठाएंगे, दोनों देशों के संयुक्त राष्ट्र के मंच पर क्या कहना है उस पर एक नजर डालेंगे।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 27 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA, यूएनजीए) को संबोधित करेंगे, उसी दिन पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान भी श्री मोदी के बाद संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA) को संबोधित करेंगे।

2014 के बाद यह पहली बार होगा जब मोदी यूएनजीए को संबोधित करेंगे; क्योंकि 2014 के बाद से यूएनजीए के 70वें-73वें सत्र यानी 2015-18 के लिए दिवंगत विदेश मंत्री, सुषमा स्वराज ने संबोधित किया था।

यूएनजीए ने अक्सर वैश्विक स्तर पर भारत-पाकिस्तान के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया है, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर के मुद्दे पर।

पांच साल पहले, 2014 में, एक आशा की किरण दिखी थी, जहाँ मोदी ने अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह के लिए अपने तत्कालीन पाकिस्तानी समकक्ष नवाज शरीफ को आमंत्रित करके सभी को चौंका दिया था और शरीफ भी 'शांति के संदेश' के साथ आये थे। हांलाकि, मोदी सरकार ने पाकिस्तान के उच्चायुक्त द्वारा कश्मीरी अलगाववादी नेताओं के साथ मुलाकात के बाद अगस्त में निर्धारित विदेश सचिव स्तर की वार्ता को रद्द कर दिया था, इसके बाद भी अटकलें कायम थीं कि दोनों प्रधानमंत्री संयुक्त राष्ट्र की सभा में मिल सकते हैं।

हालांकि, UNGA सत्र में, शरीफ ने कश्मीर में 'मौलिक अधिकारों के हनन और दुरुपयोग' की बात की और दोनों ही पीएम बिना द्विपक्षीय बैठक के अपने-अपने देश वापस लौट आये।

पांच साल बाद, मोदी एक बार फिर से मजबूत बहुमत के साथ वापस आ गए है, अनुच्छेद-370 को निरस्त कर दिया गया है, पाकिस्तान कश्मीर पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान खींचने का हर संभव प्रयास कर रहा है और इन सब के कारण दोनों देशों के बीच संबंधों में खटास आ गयी है।

इमरान खान, जो व्यक्तिगत रूप से भारत और मोदी पर अपने हमलों में भड़काऊ भाषा का उपयोग कर रहे है, उनसे यह उम्मीद की जा सकती है कि वे कश्मीर के मुद्दे पर अपने भाषण में घाटी में मानव अधिकारों के कथित उल्लंघन पर अंतर्राष्ट्रीय ध्यान खींचने की पूरी कोशिश करेंगे।

बोलने के क्रम में, प्रधानमंत्री, विदेश मंत्री से पहले बोलते हैं, लेकिन भारत और पाकिस्तान ने UNGA में बोलने का निश्चित क्रम सुनिश्चित नहीं किया है।

अब हम पिछले पाँच वर्षों में भारत और पाकिस्तान नेताओं द्वारा UNGA को किये गये संबोधन के सारांश पर नजर डालेंगे।

2014

मोदी: 'पड़ोसियों के साथ दोस्ती सर्वोच्च प्राथमिकता है।'

पीएम ने कहा कि भारत, पाकिस्तान को 'उचित वातावरण बनाने की जिम्मेदारी' की याद दिलाते हुए, द्विपक्षीय वार्ता करने के लिए तैयार था।

श्री मोदी ने कहा था कि भारत अपने विकास के लिए एक शांतिपूर्ण और स्थिर वातावरण चाहता है। एक राष्ट्र की नियति उसके पड़ोस से जुड़ी होती है। यही कारण है कि मेरी सरकार ने अपने पड़ोसियों के साथ दोस्ती और सहयोग को आगे बढ़ाने पर सर्वोच्च प्राथमिकता दिया है और इसी कड़ी में पाकिस्तान भी शामिल है। मैं पाकिस्तान के साथ एक शांतिपूर्ण माहौल में, आतंकवाद की छाया के बिना, हमारी दोस्ती और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक गंभीर द्विपक्षीय वार्ता में शामिल होने के लिए तैयार हूं। हालांकि, पाकिस्तान को भी उचित माहौल बनाने के लिए अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाना चाहिए।

इस मंच पर मुद्दों को उठाना हमारे दोनों देशों के बीच मुद्दों को सुलझाने की दिशा में प्रगति करने का तरीका नहीं है। इसके बजाय, आज, हमें जम्मू-कश्मीर में बाढ़ के पीड़ितों के बारे में सोचना चाहिए। भारत में, हमने बड़े पैमाने पर बाढ़ राहत कार्यों का आयोजन किया है और पाक अधिकृत कश्मीर के लिए सहायता की पेशकश भी की है।

नवाज शरीफ: 'हम कश्मीर के मुद्दे पर पर्दा नहीं डाल सकते।'

कश्मीरियों की कई पीढ़ियों ने अपने जीवन को हिंसा और उनके मौलिक अधिकारों के दुरुपयोग के साथ जिया है। विशेष रूप से, कश्मीरी महिलाओं ने काफी दुख और अपमान को झेला है।

उन्होंने कहा कि "दशकों से, इस विवाद को सुलझाने के लिए, संयुक्त राष्ट्र के तत्वाधान और लाहौर घोषणा की भावना में द्विपक्षीय रूप से, दोनों प्रयास किए गए हैं। जम्मू और कश्मीर के मूल मुद्दे को हल करना होगा। यह अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी है। हम कश्मीर के मुद्दे पर पर्दा नहीं डाल सकते, जब तक कि इसे जम्मू और कश्मीर के लोगों की इच्छा के अनुसार संबोधित नहीं किया जाता है।"

2015

सुषमा स्वराज: 'आतंकवाद छोड़ो, बैठक करो और बात करो।'

मार्च 2015 में, जम्मू-पठानकोट हाईवे पर राजबाग पुलिस स्टेशन पर बैक-टू-बैक आतंकवादी हमले हुए और पंजाब के गुरदासपुर जिले के दीनानगर पुलिस स्टेशन पर हुए हमले के बाद सांबा के पास महेश्वर में एक आर्मी कैंप पर हमला हुआ।

UNGA में, शरीफ ने एक नई 'चार-बिंदु शांति पहल' का प्रस्ताव दिया और विदेश मंत्री स्वराज ने जवाब दिया कि केवल एक ही बिंदु की आवश्यकता थी, चार की नहीं, जिसका अर्थ था कि भारत चाहता था की पाकिस्तान भारत के खिलाफ आतंकवाद को रोके।

सुषमा स्वराज ने कहा कि आतंकवाद के विषय पर, मैं पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों में आने वाली किसी भी चुनौतियों को साझा करने का वादा करती हूं, हम सभी जानते हैं कि ये हमले भारत को अस्थिर करने और पाकिस्तान के भारतीय राज्य जम्मू कश्मीर और इसके बाकी हिस्सों पर अवैध कब्जे को वैध बनाने के लिए हैं।

भारत बातचीत करने के लिए हमेशा तैयार है। लेकिन बातचीत और आतंकवाद एक साथ नहीं चल सकता। कल पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने चार सूत्रीय नई शांति पहल का प्रस्ताव दिया मैं इस पर जवाब देना चाहूंगी कि हमें चार बिंदुओं की जरूरत नहीं है, हमें सिर्फ एक की जरूरत है और वह है आतंकवाद को छोड़ दो और हमसे बैठकर बात करो।

शरीफ: 'कश्मीरियों की 3 पीढ़ियों ने झूठे वादे और क्रूर अत्याचार देखे हैं।'

शरीफ ने कहा कि: 1947 से कश्मीर विवाद अनसुलझा है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों को लागू नहीं किया गया है।

कश्मीरियों की तीन पीढ़ियों ने केवल झूठे वादे और क्रूर उत्पीड़न को देखा है। स्वतंत्रता के संघर्ष में 100,000 से अधिक लोग मारे गए हैं। यह संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी लगातार विफलता है।

जब मैंने तीसरी बार जून 2013 में पदभार संभाला था, तो मेरी पहली प्राथमिकताओं में से एक भारत के साथ संबंधों को सामान्य बनाना था, फिर भी आज नियंत्रण रेखा और कार्य सीमा के साथ संघर्ष विराम का उल्लंघन तेज है, जिसमें नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की मौतें भी शामिल हैं।

2016

सुषमा स्वराजः 'बलूचिस्तान में बदतर स्थिति।'

भारत ने इस साल पठानकोट आतंकवादी हमला और फिर उरी में हुए हमले का सामना किया है।

उस साल जुलाई में पाकिस्तान ने हिजबुल कमांडर बुरहान वानी के मारे जाने के बाद अपनी आवाज उठाई थी, जिसके जवाब में स्वराज ने बलूचिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किये जा रहे अत्याचार की आलोचना की थी।

'हमारे बीच में, ऐसे राष्ट्र हैं जो अभी भी आतंकवाद की भाषा बोलते हैं, इसका पोषण करते हैं, इसे दबाते हैं, और इसका व्यापार करते हैं। आतंकवादियों को पनाह देना उनका काम बन गया है। हमें इन राष्ट्रों की पहचान करनी चाहिए और उन पर सख्त कार्यवाही करना चाहिए। 21 सितंबर को, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री ने मेरे देश में मानवाधिकारों के उल्लंघन के बारे में बेबुनियाद आरोप लगाने के लिए इस पद का इस्तेमाल किया था। मैं केवल यह कह सकती हूं कि दूसरों पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाने वाले लोग पहले आत्मनिरीक्षण करें और देखें कि बलूचिस्तान सहित वे अपने देश में क्या अत्याचार कर रहे हैं। बलूच लोगों के खिलाफ क्रूरता राज्य उत्पीड़न के सबसे खराब रूप का प्रतिनिधित्व करती है।

शरीफः 'भारत द्वारा मानवाधिकारों के उल्लंघन का सबूत हम संयुक्त राष्ट्र के साथ साझा करेंगे।'

शरीफ ने कहा, 'कश्मीरियों की एक नई पीढ़ी भारत के अवैध कब्जे के खिलाफ स्वतः विरोध कर रही है।' भारतीय बलों द्वारा युवा नेता बुरहान वानी की हत्या की गयी, जिसके बाद नवीनतम कश्मीरी इंतिफादा (Intifada) के प्रतीक के रूप में उभरा है, जो कश्मीरियों, युवाओं, बूढ़ों, पुरुषों और महिलाओं के नेतृत्व में एक लोकप्रिय और शांतिपूर्ण स्वतंत्रता आंदोलन है। मैं महासभा को सूचित करना चाहूंगा कि पाकिस्तान महासचिव को भारतीय सेनाओं द्वारा किए गए मानवाधिकारों के उल्लंघन की विस्तृत जानकारी और सबूत साझा करेगा।"

2017

सुषमा स्वराजः 'हमने विद्वानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों को पैदा किया। पाकिस्तान ने आतंकवादी पैदा किए।'

इस साल कुलभूषण जाधव, जो पाकिस्तान की हिरासत में थे, को पाकिस्तान की सैन्य अदालत द्वारा मौत की सजा सुनाई गयी और भारत ने आईसीजे का दरवाजा खटखटाया।

अपने सबसे तीखे भाषणों में से एक में, स्वराज ने कहाः "पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहिद खाकन अब्बासी ने हमारे खिलाफ आरोप लगाने में अपने भाषण का बहुत अधिक समय बर्बाद किया। उन्होंने भारत पर राज्य प्रायोजित आतंकवाद और मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाया। सुनने वालों का केवल एक ही अवलोकन था कि आतंकवाद और मानवाधिकारों के उल्लंघन की बात देखो कौन कर रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही साथ आजाद हुए, लेकिन ऐसा क्यों है कि आज भारत को दुनिया में एक मान्यता प्राप्त आईटी महाशक्ति माना जाता है और पाकिस्तान को केवल आतंकवाद के लिए पूर्व-प्रतिष्ठित एक कारखाना के रूप में माना जाता है? हमने विद्वानों, डॉक्टरों, इंजीनियरों को बनाया। आपने क्या उत्पादन किया? आपने आतंकवादी पैदा किए हैं। डॉक्टर लोगों को मृत्यु से बचाते हैं; आतंकवादी उन्हें मौत के घाट उतार देते हैं।

GS World Committed To Excellence

शाहिद खाकान अब्बासी: 'संयुक्त राष्ट्र को कश्मीर में जांच आयोग भेजना चाहिए'

प्रधानमंत्री अब्बासी ने भारत के दमनकारी शासन से खुद को दूर करने के लिए कश्मीरियों के वीर और लोकप्रिय संघर्ष के बारे में बात की और भारत द्वारा उन्हें दबाने के लिए 'बड़े पैमाने पर और अंधाधुंध बल' उपयोग पर बात की। "पाकिस्तान कश्मीर में भारत द्वारा किये गये अपराधों की अंतर्राष्ट्रीय जाँच की माँग करता है। हम चाहते हैं कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव और मानवाधिकारों के लिए उच्चायुक्त भारत द्वारा किये जा रहे मानवाधिकारों के उल्लंघन की प्रकृति और सीमा को सत्यापित करने के लिए अधिकृत कश्मीर में एक जांच आयोग भेजे। इस संदर्भ में, संयुक्त राष्ट्र महासचिव को कश्मीर में एक विशेष दूत नियुक्त करना चाहिए। उनका जनादेश सुरक्षा परिषद के लंबे समय से लागू किए गए प्रस्तावों से अलग होना चाहिए।'

यह वही वर्ष था जब संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की प्रतिनिधि मालेहा लोधी ने एक घायल गाजा लड़की की तस्वीर खींची थी और फिर झूठा आरोप लगाया गया था कि वह कश्मीर में पेलेट गन से शिकार हुई है।

2018

स्वराज: 'पाकिस्तान हत्यारों का महिमामंडन करता है'

हालाँकि पाकिस्तान को एक नया पीएम इमरान खान मिला, लेकिन मौखिक द्वंद्व जारी रहा और भारत ने उनसे असहमति होने के बाद विदेश मंत्रियों के बीच बैठक को रद्द कर दिया।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने भारत पर 2014 के पेशावर स्कूल हमले में शामिल होने का आरोप लगाने के बाद, स्वराज ने जवाब दिया था कि "हम पर बातचीत की प्रक्रिया को रद्द करने का आरोप है। यह सरासर झूठ है। हमारा मानना है कि विवादों के सबसे जटिल समाधान के लिए वार्ता एकमात्र तर्कसंगत साधन है। पाकिस्तान के साथ कई बार बातचीत शुरू हो चुकी है। यदि वे रुक गए, तो यह केवल पाकिस्तान के व्यवहार के कारण था।

"समय के साथ पाकिस्तान, भारत पर मानवाधिकारों के उल्लंघन का आरोप लगाता रहा हैं। एक आतंकवादी की तुलना में मानवाधिकारों का अधिक बड़ा उल्लंघनकर्ता कौन हो सकता है? जो कई तरीकों से निर्दोष मानव जीवन लेते हैं, वे अमानवीय व्यवहार के रक्षक हैं, मानवाधिकारों के नहीं। पाकिस्तान हत्यारों का महिमामंडन करता है।"

विदेश मंत्री कुरैशी: 'हम समझौता एक्सप्रेस पर हमला, पेशावर हमला कभी नहीं भूलेंगे।'

कुरैशी ने कहा था कि पाकिस्तान पेशावर के स्कूल में [2014 में] 150 से अधिक बच्चों की सामूहिक हत्या, [जुलाई 2018 में] मस्तंग पर हमला और भारत में निर्दोष पाकिस्तानियों को ले जाने वाली समझौता एक्सप्रेस पर आतंकवादी हमलें को कभी भी भूल नहीं सकता है, जो कि भारत द्वारा समर्थित आतंकवादियों से संबंध रखते हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की हिरासत में एक सेवारत भारतीय नौसेना अधिकारी, कमांडर कुलभूषण यादव है, जिसने हमें उनकी सरकार के निर्देशों पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हिंसा के कृत्यों को वित्तपोषित, नियोजित और निष्पादित करने के कार्य को स्वीकार कर के, एक महत्त्वपूर्ण सबूत प्रदान किया है।

कुरैशी ने कश्मीर में कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट भी पेश की, जिसे भारत ने अस्वीकार कर दिया था। जिसमें कहा गया था कि संयुक्त राष्ट्र के उच्चायुक्त के मानवाधिकारों के कार्यालय द्वारा हाल ही में जारी रिपोर्ट का पाकिस्तान स्वागत करता है। यह हमारी स्थिति को दर्शाता है। अब कश्मीर के लोगों को व्यवस्थित रूप से उत्पीड़ित करने के लिए आतंकवाद के बहाने का इस्तेमाल नहीं किया जा सकता है।

GS World Committed to Excellence

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. **संयुक्त राष्ट्र महासभा के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-**

   1. यह संयुक्त राष्ट्र प्रणाली का एक मात्र प्रमुख अंग है, जिसमें सभी सदस्य देशों का समान प्रतिनिधित्व होता है।
   2. सुरक्षा परिषद् के विचार के तहत शांति और सुरक्षा के मामलों को छोड़कर महासभा संयुक्त राष्ट्र के दायरे में किसी भी मामले पर सिफारिश दे सकती है।
   3. संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य राष्ट्रों का प्रतिनिधित्व महासभा में किया जाता है। जो इसे सार्वभौमिक प्रतिनिधित्व वाला एक मात्र संयुक्त राष्ट्र निकाय बनाता है।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1
   (b) 2 और 3
   (c) 1 और 3
   (d) उपर्युक्त सभी

Expected Questions (Prelims Exams)

1. **In the context of the United Nations General Assembly, consider the following statements-**

   1. It is the only major part of the United Nations system, in which all member states have equal representation.
   2. The General Assembly may make recommendations on any matter within the scope of the United Nations, except in matters of peace and security under the consideration of the Security Council.
   3. All 193 member nations of the United Nations are represented in the General Assembly which makes it the only UN body with universal representation

   Which of the above statements is/are correct?

   (a) Only 1
   (b) 2 and 3
   (c) 1 and 3
   (d) All of the above

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: "भारत-पाकिस्तान के हालिया विवाद के सन्दर्भ में आगामी संयुक्त राष्ट्र आम महासभा बैठक दोनों देशों के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।" दोनों देशों के द्वारा इस मंच के प्रयोग के पूर्व उदाहरणों की सहायता से उपरोक्त कथन का विश्लेषण कीजिए।

(250 शब्द)

Q. In the context of the recent dispute of India-Pakistan, the forthcoming United Nations General Assembly meeting is very important for both countries. Analyze the above statement with the help of prior examples of the use of this platform by both countries.

(250 Words)

नोट : 9 सितंबर को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1 (b) होगा।